Employment to Landles Rural Harijans around Delhi where the Agricultural Land they had been working on, has been acquired

श्री शांती त्यागी (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मेरा स्पेशन मेंशन दिल्ली के गांव जैसे खयाला, राजापुर, शकूरपुर आदि गांवों में जो हजारों भूमिहीन हरिजन परिवार हैं उनके बारे में है । दिल्ली का विकास हो रहा है हम इसका स्वागत करते हैं लेकिन मैडम जिन गांवों की जमीन खेती की जमीन एक्वायर की गई है वहां के किसानों को थोड़ा बहुत मुआवजा मिल गया है और उन्होंने उस मुआवजे की रकम से अपना कारोबार भी शुरू कर दिया है । लेकिन जो खेतों में लगे हुये हजारों भूमिहीन हरिजन मजदूर थे वे बेरोजगार हो गये हैं, उनकी रोजी-रोटी, छिन गई है । दिल्ली का विकास किया जाय, उसका विस्तार किया जाय मगर गरीबों को बचाकर । आदरणीया, जिस जमीन पर खेती होती थी, वह एक्वायर कर ली गई है और वहां पर अब आवासीय कालोनियां बन गई हैं, कहीं कहीं पर अस्पताल बन गए हैं, कहीं कहीं पर उद्योग खुल गये हैं । मगर गांवों के जो हरिजन मजदूर बेकार हो गये थे उनको कहीं पर भी प्राथमिकता के बेसिस पर, इन कारखानों में या अस्पतालों में उनको नौकरी नहीं दी गई है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन यह है कि दिल्ली को खूबसूरत आप बनाइये, उसका विकास भी करें, विस्तार भी करें, हम इसका स्वागत करेंगे लेकिन किसानों, मजदूरों के साथ आप अन्याय न करें। पहली बात और दूसरी बात यह है कि दिल्ली प्रशासन को मदनजी सरकार अविलम्ब ऐसी योजना बनाकर दे जिससे जिन लोगों की रोटी चली गई है ऐसे भूमिहीन जो हजारों हरिजन परिवार हैं इनकी रोजी-रोटी और नौकरी का इन्तजाम करें और उनको आवासीय प्राथमिकता दें, रहने के लिए मकान दें, क्योंकि उनके गांवों की जमीन एक्वायर की है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now we shall take up the Constitution (Sixty-second Amendment) Bill for further consideration.

REFERENCE TO THE REGIONAL MBEALANCES

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) उपसभापति महोदया,

उपसभापति : आप बैठ जाइये।

श्री राम अवधेश सिंह : मैंने आपके पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर को चिट्ठी लिखी थी एक रीजनल इम्बैलेंज के बारे में क्षेत्रीय विषमता के बारे में बिहार का जो शोषण हो रहा है, बंगाल का जो शोषण हो रहा है, उड़ीसा का जो शोषण हो रहा है और तमाम मिनरल इलाकों का शोषण हो रहा है श्रेष्ठ इक्वीलाइजेशन नीति के चलने (**व्यवधान**)

उपसभापति : बस बस, आप इस बारे में पहले भी बोल चुके हैं। कृपया बैठ जाइये।

श्री राम अवधेश सिंह : मैंने इसके बारे में बहस कराने के लिए मांग की थी और जेकब साहब से (**व्यवधान**)

उपसभापति: आपको जवाब देंगे जेकब साहब। आप बैठ जाइये।

श्री राम अवधेश सिंह : जेकब साहब उस दिन राजी हो गये थे (**व्यवधान**) मैं यह जानना चाहता हूं कि उन्होंने आपको इसके बारे में बताया है या नहीं बताया है? ((**व्यवधान**))

उपसभापति: हां को कुछ नहीं बताया है, बाद में बताएंगे (**व्यवधान**)

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal) : Is there any difficulty in having a discussion on this issue? It is agitating the minds of the People of 'eastern India and various other backward States and backward areas in various other States because of this lopsided planning. There is a feeling in certain States and in certain areas of certain States that the people there

are being slighted. Why should there not be discussion on the regional imbalances?

THE DEPUTY CHAIRMAN: You are a special invitee to the Business Advisory Committee. The matter did not come before it. If the matter comes before it, it will be considered. *(Interruption)* Writing a letter is different .

(Interruptions)

आप तशरीफ रखिये मालवीय जी। (व्यवधान) आप बैठ जाइये, मेरी बात सुनिये। (व्यवधान) आपको जवाब नहीं चाहिये तो खड़े रहिये। आप बैठेंगे तो मेरा जवाब सुनेंगे। आपने चिट्ठी लिखी, आपने यह बात हाऊस में भी उठाई चेयरमैन साहब के सामने आपने बात की। आज जो हमारी बिजनेस की लिस्ट छपी हुई है उसी के अनुसार हम लोग काम करेंगे। अगर चेयरमैन साहब या बिजनेस एडवाइजरी कमेटी या पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टरी इस बात पर सहमत होंगे तो बहस की जाएगी मगर बहस नहीं होगी बगैर कायदे के। (व्यवधान)

श्री राम अवधेश सिंह : यही तो मैं कहना चाहता हूं (व्यवधान)

SHRI PARVATHANENI UPENDRA ; Andhra Pradesh): You promised that it would be considered.

THE DEPUTY CHAIRMAN; No promise was given about it.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: It was promised that a kind of discussion would be allowed.

THE DEPUTY CHAIRMAN; No, no promise was made. You are not aware of the situation. If he has written a letter, I am not aware of it. Let the matter come before the Chairman and the Business Advisory Committee .

SHRl DIPEN GHOSH; From the other side also it is creating a problem. If Parliament does not discuss this issue relating to the regional imbalances, it is creating problems.

THE DEPUTY CHAIRMAN; You take up the matter with the Chairman and discuss it.

श्री राम अवधेश सिंह : आपको भी चिट्ठी मिली हैं और पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर को भी मिली है। (व्यवधान)

उपसभापति : आपने मुझे कोई चिट्ठी नहीं लिखी है। (व्यवधान)

SHRl DIPEN GHOSH: Flssiparous tendencies are developing in various other parts of the country. Let Parliament discuss it. This is a very important issue. The Bihar Vikas Manch has been sponsored by a ruling party member. The other day in the other House the ruling party members waled out of the House because Orissa is being slighted in the matter of railways.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You are a senior Member of this House. You know that the matter has been brought before the Chairman, before the Business Advisory Committee and before the Ministry of Parliamentary Affairs and they have to allocate time. It is very surprising that you are raising it like this...

श्री राम अवधेश सिंह: यह तो सरकार का काम है न। सरकार को मैंने चिट्ठी लिखी। सरकार का यह काम है। आपका काम है। हमारा काम थोड़े ही है। यह सरकार का काम है उसने क्यों नहीं किया, (व्यवधान) जब तक इस पर बहस नहीं कराएंगे, सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will convey the wishes of everybody to

[The Deputy Chairman] the Chairman. All right? Now, all of you, please sit down.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : उत्तर प्रदेश मंत्री जी कहां हैं ? भगत जी, जैकब साहब और राधाकृष्ण मालवीय जी, ये तीनों कहां हैं ? **(व्यवधान)** ।

उपसभापति : बहुत से मंत्री बैठे हुए हैं ।

श्रीमती सत्या बहिन : (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मैं एक घटना की तरफ, आपका, सदन का और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चहाती हूं । यह घटना 7 दिसम्बर की है । हरियाणा के मुख्य मंत्री देवी लाल के पुत्र... **(व्यवधान)** ।

श्री राम अवधेश सिंह : पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर को बुलाया जाये और उनसे बात की जाये.... **(व्यवधान)** बिहार और उड़ीसा के शोषण पर बात चीत हो और पूरी बहस हो.. **(व्यवधान)** ।

श्रीमती सत्या बहिन : महोदया, आपका, सरकार का और सदन का ध्यान एक घटना की तरफ दिलाना चाहती हूं, जो अत्यन्त लोक महत्व की घटना है । यह घटना 7 दिसम्बर की है... **(व्यवधान)** । हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री देवी लाल के जगदीश नाम के एक पुत्र ने शराब पीकर एक हरिजन महिला के साथ बलात्कार किया और उसके परिवार को गायब कर दिया है तथा अपनी बेगुनाही का सबूत देने के लिये उस महिला के द्वारा एक झठा शपथ पत्र दिला कर इस आरोप को झूठा साबित करने की कोशिश की है **(व्यवधान)** ।

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: She cannot raise it now. This should not be allowed, how can she raise it now?... *(Interruptions)*...

उपसभापति : मुझे सुनने तो दीजिये कि क्या कह रही हैं, मेरी रूलिंग देने से पहले... **(व्यवधान)** ।

डा० अबरार अहमद खान (राजस्थान) हरियाणा के अन्दर राजस्थान की दो हरिजन महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और उसके बाद भाग कर गंगा नगर में जाकर... **(व्यवधान)** उन्होंने शरण ली... **(व्यवधान)** उसके बाद जबरदस्ती उसको पकड़ कर ले गये... **(व्यवधान)** उसकी जान को खतरा है उसको वहां से किडनैप कर लिया गया है... **(व्यवधान)** साबित करें कि यह घटना झूठी है... **(व्यवधान)** ।

SHRI PARVATHANENI UPENDRA; You did not allow Mr. Singh and now you are allowing him... *(Interruptions)* ...

डा० अबरार अहमद खान : उपसभापति महोदया, मैं पूछना चाहता हूं कि अगर किसी परिवार के मुखिया मुख्य मंत्री हैं, तो क्या... **(व्यवधान)** ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, oredr, please... *(Interruptions)*... Let everybody sit down. Mr. Abrar Ahmad, please sit down. When I say, "Sit down", I mean that you should sit down. You understand it? Or, you don't? Or you want me to speak in some other language which you will follow? Please sit down... *(Interruptions)*...

श्रीमती सत्या बहिन : महोदया, यह बहुत गंभीर बात है अगर हरियाणा की जनता आतंक के साये में जी रही है । वहां के हरिजनों की कोई सुरक्षा नहीं है । मुख्य मंत्री और हरियाणा पुलिस का रवैया बहुत निन्दनीय है... (व्यवधान) मैं मांग करती हूं कि केन्द्र सरकार इस मामले में ध्यान दें और सी०बी०आई० से जांच करवाये ।

श्री वीरेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश) : ये बगैर आज्ञा के बोल गयी । यह तो पेशा बना लिया है इन्होंने रोज का ... (व्यवधान)

डा० अबरार अहमद खान : मुख्य मंत्री का पुत्र बलात्कार करता है तो ठीक है ?... (व्यवधान)

SHRI DIPEN GHOSH.- What will happen now? Will there be a discussion Om the subject of regional imbalances?

THE DEPUTY CHAIRMAN; I have already said that I will convey your views to the Chairman. I cannot give you any assurance now.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : तीन तीन संसदीय कार्य मंत्री हैं, ये सब कहां हैं । यह राज्य सभा की उपेक्षा है...

उपसभापति : आप बैठ जाइये... (**व्यवधान**)

श्री राम अवधेश सिंह : नहीं बैठेंगे । क्यों बैठें । यह हाउस नहीं चलने दिया जायेगा... (**व्यवधान**)

श्रीमती सत्या बहिन : उसके परिवार का कोई पता नहीं है... (**व्यवधान**) यह बहुत गंभीर मामला है ... (**व्यवधान**)

डा० अबरार अहमद खान : कम से कम इस मामले में जांच होनी चाहिये ... (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN-. Mr. Kulkarni, I am asking you to speak now... *(Interruptions)*.. .Mr. Dipen Ghosh, please stop now. I have said that I will convey your wishes to the Chairman. That is all. Yes, Mr. Kulkarni.

श्री राम अवधेश सिंह : क्या हुआ ? वह बोले थे ।

उपसभापति : हमको नहीं मालूम कि बोले थे । आप उनसे पूछिये । हमारे सामने नहीं बोले थे । ... (**व्यवधान**) आप बैठ जाइये ।

SHRI DIPEN GHOSH: Tomorrow is the last day.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : कम से कल सदन को तो अवगत करा देती कि कल चर्चा कराने के लिये तैयार हैं ?

श्री राम अवधेश सिंह : आप बात तो करिये ।

उपसभापति : कह दिया कि बात करेंगे । . . (**व्यवधान**)

श्री राम अवधेश सिंह : आप पहले बात तो करिये । ... (**व्यवधान**)

उपसभापति : हाउस में बात नहीं होती, बात चैम्बर में होती है । ... (**व्यवधान**) आप अपनी चेयर पर जाइये वरना मैं आपका मैसेज भी कनवे नहीं करूंगी । ... (**व्यवधान**) आप अपनी जगह पर बैठिये । आप नहीं जायेंगे तो मैं आपका कोई मैसेज नहीं देने वाली हूं ।

श्री राम अवधेश सिंह : हम तो हल्ला करेंगे ।

उपसभापति : आप हल्ला करिये । It is not fair. Mr. Kulkarni, please go ahead.

श्री राम अवधेश सिंह : पंजाब, गुजरात, हरियाणा बिहार का शोषण कर रहे हैं ।

उपसभापति : मैंने आपसे कहा कि आप बैठिये । प्लीज सिटडाउन ।

श्री एन०के०पी० साल्वे (महाराष्ट्र) : एक सदस्य पूरे सदन को रखे हुये है । आप ऐसे नहीं कर सकते । आपको कोई अधिकार नहीं है । ... (**व्यवधान**)

श्री राम अवधेश सिंह : मैं बिहार के लिये कह रहा हूं ।

श्री एन०के०पी० साल्वे : बिहार आपकी बपौती नहीं है ।

श्री राम अवधेश सिंह : तो क्या आपकी बपौती है ? . (**व्यवधान**)

श्री एन०के०पी० साल्वे : सदन की कार्यवाही कानून के मुताबिक चलेगी, हिसाब से और रूल में चलेगी आप नहीं कह सकते कि ऐसे चलने वाली है।... (**व्यवधान**)

उपसभापति : मि० साल्वे।

श्री एन०के०पी० साल्वे : आप पहले जरा इनको समझाइये।

उपसभापति : मैं समझाती हूं। राम अवधेश जी, आप अपनी जगह पर बैठिये। मैंने आपको इंसानियत से कहा, आप मेहरबानी करके चुप हो जाइय... (**व्यवधान**) मैं जब बात कर रही हूं, तो आपको इतनी तमीज नहीं कि एक आदमी बोल रहा है। आप बैठिए।

SHRl N. K. P. SALVE: I appeal to the Leader of the Opposition to come to the rescue of the House. I appeal to Mr. Gurupadaswamy.

(Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: What is this?

श्री एन०के०पी० साल्वे : चुप रहिये। आप खामोश रहिये।... (**व्यवधान**)।

उपसभापति : आप अपनी जगह पर जाइये।

श्री राम अवधेश सिंह : मेरी बात सुनिये।... (**व्यवधान**)

उपसभापति : आप बैठिये, मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। आपने जवाब मांगा था और वह जवाब दे रहे हैं।

श्री राम अवधेश सिंह : मेरी बात सुनिए।

उपसभापति : आप क्या चाहते हैं?

श्री राम अवधेश सिंह : हम डिसकशन चाहते हैं।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): What is wrong with this man? Madam, I do not understand...

THE DEPUTY CHAIRMAN; I myself do not understand what is wrong with him and Mr. Dipen Ghosh is there... *(Interruptions)* You are a senior Member. When I said that I will convey the message to the Chairman...

SHRI DIPEN GHOSH; Madam Deputy Chairman, I stand by what I said. The question is that he has made a point to have discussion on regional imbalances. The issue or regional imbalances has arisen due to certain lop-sided planning and other policies of the Government. He had written a letter to the Minister in charge of Parliamentary Affairs. Tomorrow is the last day. It is the Council of States. We are entitled to discuss this issue, because, as you know, due to the lop-sided planning' and policies of the Central Government so many flssiparious tendencies are developing. He can reply whether the discussion will take place or not.

SHRI M. M. JACOB: The issue of .regional imbalanecs is not in my hand. If the Member wants to discuss °n any subject, he has to go to the Chairman. *(Interruptions)*

उपसभापति : जब मंत्री जी जवाब देते हैं, तो आप सुनना नहीं चाहते हैं। पहले आप जवाब सुनिये।

श्री राम अवधेश सिंह : गलतबयानी कर रहे हैं।

उपसभापति : कोई गलतबयानी नहीं कर रहे हैं। यह हाऊस कायदे-कानून से चलता है। इसकी एक किताब है और उस किताब के अन्दर रूल हैं कि किस रूल के अन्तर्गत आप मांग रहे हैं, यह चेयरमैन साहब को आपने चिट्ठी लिखी है। वह जवाब देंगे। अभी आप हाऊस में गड़बड़ नहीं करिये।

SHRI M. M. JACOB; Madam, any discussion on regional imbalances is

a matter concerning the Planning Commission. When they discuss matters connected with the Planning Con-mission, they will also discuss regional imbalances. The Planning Commission is a body to look into all the aspects of regional imbalances and eradicating regional imbalances.

SHRI N. K. P. SALVE; Madam, I want my party's view to go on record. My party is willing to have any debate, any discussion, which they ask for. We are not scared ol any debate whatsoever. But this kind of intimation, this kind of gross misbehaviour which is full of improprieties, is something which we are not going to stand. If Shri Dipen Ghosh is asking for a discussion, we are not scared of a discussion. This House is meant to discuss in accord^ ance with rules and regulations and dignity of the House. It is that which we are protesting. We are not against any discussion.

उपसभापति : मैं हिन्दी में बोलती हूं ताकि आप अच्छी तरह से समझ लें कि किसी भी विषय पर अगर किसी भी मेम्बर को कोई बात उठानी है तो एक कानून की किताब है जिस के अन्तर्गत यह हाउस चलता है। आप वह विषय उठाकर चेयरमैन साहब को बिजनेस एडवायजरी कमेटी को दे सकते हैं । समय अगर होगा और सब लोग उस पर सहमत होंगे तो आपको इजाजत मिलेगी । यह इस सेसन में या अगले सेसन में या जब भी समय होगा, अभी उसका तय नहीं कर सकते । यही मुझे आप से कहना है । आप कृपया बैठ जाइये । हम बहुत ही महत्व के विषय पर बात कर रहे हैं उसे आप करने दीजिये ।

श्री राम अवधेश सिंह : मेरी एक बात सुन लीजिये । महोदया, एक मिनिट सुन लीजिये ।

उपसभापति : अच्छा, एक मिनिट में आप बोलिये ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैंने यह खत में लिखा कि जिस क्षेत्र में 90 फीसदी मिनरल हैं, उन राज्यों की बिहार, बंगाल, उड़ीसा, असम सबकी पर केपिटा इन्कम 600 रुपये से कम है और जहां एक किलो भी न लोहा है न कोयला है, न तांबा है जैसे हरियाणा, महाराष्ट्र. . . (व्यवधान) . . .

उपसभापति : यह बात आपने चिट्ठी में ही नहीं लिखी थी., आपको मैंने फ़ाइडे को एलाऊ किया था । . . (व्यवधान) एक मिनिट रुकिये । आपकी मैंने फ़ाइडे के दिन इस बात के ऊपर एलाऊ किया था और आपने काफी बोल लिया । अगर आप उसको दुबारा रिपीट करेंगे तो उसकी अहमियत खतम हो जायेगी। इसलिये अगर आप अपनी बात की अहमियत रखना चाहते हैं तो बैठ जाइये ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं कनक्लूड कर रहा हूं जैसा आपको भी मैंने कहा और पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर को भी कहा । तो अब समय निकाले बहस कराने के लिये टाइम निकालें, । हम लोग 10 बजे रात तक, 12 बजे रात तक, 1 बजे रात एक डिबेट करते रहे हैं, इस पर भी एक बजे रात तक डिबेट करने को तैयार हैं ।

उपसभापति : कोई महत्व की बात होगी तो सारी रात बैठेंगे । आप बैठ जाइये ।

श्री विश्वजित पृथ्वीजित सिंह (महाराष्ट्र) : मुझे इस बात का दुख नहीं है कि राम अवधेश सिंह जी सदन की परम्पराओं पर चोट कर रहे हैं । यह तो इन का काम ही है । लेकिन मुझे दुख यह है कि विरोधी दल के वरिष्ठ नेता, सब लोग बैठे, चुप किए, ईन बातों को सुन रहे हैं ।

श्री राम अवधेश सिंह : जब हम लोग सरकार में थे यहां नाचते थे यह सरोज खापर्डे, कल्पनाथ, राय जी, इस पर

[श्री राम अवधेश सिंह]

खड़े होकर नाचते थे। यह हमको मालूम है। ...(व्यवधान)... मैं तो केवल चेयर को अर्ज कर रहा हू मैंने तो मर्यादा मे काम किया है।...(व्यवधान)...

उपसभापति : राम अधेश सिंह जी, अगर आप मेरी विनती सुनकर, अपना स्थान ग्रहण नहीं करेंगे तो मजबूरन मुझे इसके लिये कुछ, करना पड़ेगा । आप बैठ जाइये । हाऊस की गरिमा को कायम रखिये ।

श्री राम अवधेश सिंह : जो कहना चाहती हैं, कहिये ।

उपसभापति : मैं यही कहना चाहती हूं कि आप हाऊस की गरिमा को काय रखिये ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं यही जानना चाहता हू कि बहस होगी या नहीं होगी ? आप यह बताइये ।

उपसभापति : आप बैठ जाइये ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं नहीं बैठूंगा । पहले यह बताइये कि बहस होगी या नहीं?

THE DEPUTY CHAIRMAN; Mr. Kulkarni, you go ahead with your speech. Let him go on speaking.

SHRI RAM AWADHESH SINGH: What go ahead?

क्या हुआ? बहस होगी या नहीं होगी यह रीजनल इम्बेलेंसस पर ?

1.00 P.M.

THE DEPUTY CHAIRMAN; Mr. Kulkarni, will you please start now? You have only ten minutes. I am giving everybody ten minutes... *(Interruption)* .

SHRI A. G. KULKARNI (Maha-rashtra); Madam Deputy Chairman, I am greatful to you... *(Interruptions).*

श्री राम अवधेश सिंह : हम लोग 12 बजे रात तक बैठेंगे आप बहस कराइये। एक-एक बजे तक सदन बैठा है, एक-एक बजे तक बहस हुई है । उसमें क्या हर्ज है ?..(व्यवधान) मैं वाकआउट करता हू । आप हमारी जुबान बन्द कर रही हैं तो मैं यहां से मुंह बन्द करके जा रहा हूं। आप मेरे अधिकार को और पुर्वांचल – बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बंगाल और उड़ीसा की आवाज को बन्द कर रही हैं बहस नहीं कर रही हैं, इसलिये उसके विरोध में और आपके निर्णय के खलाफ में मैं वाक आउट करता हूं । मैं मुंह बन्द करके जाऊंगा ...(व्यवधान)...

[At this stage, the hon. Member left the Chamber],

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Kulkarni, before you start your speech...

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (Punjab); Madam, you must condemn that behaviour.

THE DEPUTY CHAIRMAN; There are a few things which are beyond condemnation. So, I don't have those words either in English or Hindi or in any other language. We have to put up with all kinds of people. Mr. Kulkarni, the Congress Members have got ten minutes each. So, please confine your speech to ten minutes.

SHRI SITARAM KESRI (Bihar): According to age, senior Members should be given some more time.

THE DEPUTY CHAIRMAN-. And we are skipping the lunch hour क्योंकि हमने इतना समय ले लिया है और भी पूरा करना है ।

श्री मीर्जा इर्शादबेग (गुजरात) : अपोजीशन वाले खाना भी खराब करते हैं।